केंद्रीय विद्यालय संगठन,लखनऊ सम्भाग
सत्र-2023-24
विषय : हिंदी (आधार)
कक्षा: बारहवीं
अंक योजना/उत्तर कुंजी

निर्धारित समय: **3** घंटे

अधिकतम अंक : **80**

		खड 'अ' (बहुविकल्पी) प्रश्नो के उत्तर	
प्रश्न क्रम संख्या		उत्तर	अक
		अपठित गद्याश **(1x10)**	(1x10)
प्रश्न 1.	(i)	(द) चद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिग	1
	(ii)	(ब) 14 जुलाइ 2023	1
	(iii)	(अ)40 दिनो को	1
	(iv)	(स) द गार्डियन	1
	(v)	(स) हालेट पैकर्ड	1
	(vi)	(ब) वाशिंगटन पोस्ट	1
	(vii)	(अ)अमेरिका	1
	(viii)	(अ) भारत	1
	(ix)	(अ)चद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए	1
	(x)	(अ) डेविड वान रियलो	1
		अपठित काव्याश **(1x5)**	(1x5)
प्रश्न 2.	(i)	(स) भारत का यशोगान	1
	(ii)	(द) राम का वनवास	1
	(iii)	(स) पत्थर	1
	(iv)	(अ)गुरुओ गुरुपुत्रो ने जिसमे चिर बलिदानो भर दिया तत्त्व !	1
	(v)	(अ) नाम देना	1
		अथवा	

	(i)	(द) सर्वस्व	1
	(ii)	(अ) स्वयं का बलिदान	1
	(iii)	(स) दरिद्र	1
	(iv)	(अ) केवल I	1
	(v)	(ब) शीश पर आशीष की छाया घनेरी	1
		अभिव्यक्ति और माध्यम **(1x5)**	1x5
प्रश्न 3.	(i)	(स) जर्मनी के गुटेनबर्ग को	1
	(ii)	(द) उलटा पिरामिड शैली	1
	(iii)	(ब) (i)-(iii) , (ii)-(iv), (iii)-(ii), (iv)-(i)	1
	(iv)	(अ) फ्री लांसर	1
	(v)	(द) संवाददाताओं की रुचि के अनुसार काम का विभाजन।	1
		पठित काव्यांश **(1x5)**	1x5
प्रश्न 4	(i)	(स) कुंवर नारायण	1
	(ii)	(अ) झूठी वाहवाही करने वाले प्रशंसक पाठक	1
	(iii)	(द) बात का प्रभाव समाप्त हो गया।	1
	(iv)	(स) अपनी बात को सहज, सरल शब्दों के सहारे कैसे अभिव्यक्त किया जाए ।	1
	(v)	(ब) भाषा के साथ ज़बरदस्ती करना	1
		पठित गद्यांश **(1x5)**	1x5 =5
प्रश्न 5.	(i)	(स) जेब भरी हो , और मन खाली हो	1
	(ii)	(ब) अभिमान को गिल्टी की खुराक मिलती है	1
	(iii)	(ब) बाज़ार जाओ तो खाली मन न हो।	1
	(iv)	(अ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(v)	(द) I , II और III	1
		वितान भाग**-2** (पूरक पाठ्यपुस्तक) **(1x10)**	1x10
प्रश्न 6.	(i)	(स) प्रमुख विज्ञापन संस्था में नौकरी।	1
	(ii)	(अ) आलोचना को अनसुना करना	1
	(iii)	(द) 6 फरवरी , 1947	1
	(iv)	(स) वसंत पाटील	1

	(v)	(अ) न.वा.सौदलगेकर	1
	(vi)	(स) I और II	1
	(vii)	(स) आनंदा की पढ़ाई जारी रखने में उसका साथ देने वाला	1
	(viii)	(अ) मोहनजोदड़ो	1
	(ix)	(द) चंडीगढ़ और इस्लामाबाद	1
	(x)	(ब) जल-संस्कृति	1
खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न) प्रश्नों के संभावित उत्तर संकेत			
प्रश्न संख्या	संभावित/सांकेतिक उत्तर		
प्रश्न 7.	विद्यार्थी द्वारा लिखे गए उत्तर की जाँच के समय उत्तर जाँचकर्ता निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी के उत्तर का मूल्यांकन करेगा : ● भाषा की शुद्धता और लिखावट की स्पष्टता , वाक्य विन्यास ● प्रभावी अभिव्यक्ति ● विचार विषय से सुसंबद्ध तथा संगत होने चाहिए ● विषय से जुड़े तथ्यों से उचित तालमेल होना चाहिए ● लेखन में विषय से भटकाव की स्थिति नहीं होनी चाहिए		6x1
प्रश्न 8.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -		**(2x2= 4)**
(i)	कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय ध्यान रखने योग्य आवश्यक बातें : कहानी की विस्तृत कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित करना । दृश्यों का विभाजन अनावश्यक दृश्यों को हटाना संवाद (छोटे/ प्रभावशाली / बोलचाल की भाषा में हो) अभिनय (पात्रों द्वारा चरित्र चित्रण) ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था फ़्लैशबैक शैली का प्रयोग आदि		
(ii)	नाटक का रेडियो (श्रव्य माध्यम) द्वारा प्रसारण रेडियो नाटक है । इसमें दर्शक नहीं श्रोता होते हैं । ● पात्रों की संख्या सीमित ● सीमित समयावधि		

(iii)	• संवाद स्पष्ट और ध्वनि व्यवस्था उत्तम होनी चाहिए । किसी नए अथवा अप्रत्याशित विषय पर कम समय में अपने विचारों को संकलित कर उन्हें सुंदर ढंग से अभिव्यक्त करना ही अप्रत्याशित विषयों पर रचनात्मक लेखन कहलाता है । • विषय की पूर्ण जानकारी • लिखने से पूर्व रूपरेखा स्पष्ट • तथ्यों में तालमेल • इस प्रकार के लेखन में (मैं शैली) का प्रयोग करना चाहिए । • विषय से भटकाव तनिक भी नहीं होना चाहिए ।	
प्रश्न 9.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए **:- (** शब्द सीमा **-80** शब्द**)**	(3x2 =6)
(i)	समाचार लेखन की उलटा पिरामिड शैली के तहत लिखे गये समाचारों के सुविधा की दृष्टि से मुख्यतः तीन हिस्सों में विभाजित किया जाता है – मुखड़ा या इंट्रो या लीड, बॉडी और निष्कर्ष या समापन अगर विद्यार्थी इन बिन्दुओं के अनुसार समाचार लिखे तो उसे पूरे अंक प्रदान किए जाएं|	
(ii)	समकालीन घटना या किसी भी क्षेत्र विशेष की विशिष्ट जानकारी के सचित्र तथा मोहक विवरण को फीचर कहते हैं| फीचर मनोरंजक ढंग से तथ्यों को प्रस्तुत करने की कला है | वस्तुत: फीचर मनोरंजन की उंगली थाम कर जानकारी परोसता है| इस प्रकार मानवीय रूचि के विषयों के साथ सीमित समाचार जब चटपटा लेख बन जाता है तो वह फीचर कहा जाता है | अर्थात- “ज्ञान + मनोरंजन = फीचर” | समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर ज़ोर दिया जाता है लेकिन फ़ीचर लेखन की शैली इससे अलग है । इसमें उलटा पिरामिड शैली का प्रयोग नहीं होता ।	
(iii)	सूचनाओं, विचारों और भावनाओं को लिखित , मौखिक या दृश्य-श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाना ही संचार है और इस प्रक्रिया को अंजाम देने में मदद करनेवाले तरीके संचार माध्यम कहलाते हैं । संचार का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रकार है : जनसंचार (जब हम व्यक्तियों के समूह के साथ प्रत्यक्ष संवाद की बजाय किसी तकनीकी या यांत्रिक माध्यम के जरिये समाज के एक विशाल वर्ग से संवाद कायम करने की कोशिश करते हैं तो इसे जनसंचार कहते हैं । प्रमुख जनसंचार माध्यम (प्रिंट , टी.वी. रेडियो, इंटरनेट)	

प्रश्न **10.**	काव्य खड आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए :-	**(3x2 =6)**
(i)	लक्ष्मण के मूर्च्छित हो जाने पर राम स्वयं की तुलना बिना पंखों के पक्षी, बिना मणि के साँप और बिना सूँड के हाथी के समान बताते हुए कहते हैं कि मेरी स्थिति भी दयनीय हो गई है । अर्थात भाई के बिना मैं भी लाचार हूँ ।	
(ii)	दिन जल्दी -जल्दी ढलता है कविता में कवि हरिवंश राय बच्चन जी ने समय के गुजरते जाने के अहसास में लक्ष्य प्राप्ति के लिए कुछ कर गुज़रने का जज़्बा लिए हुए बताया है कि समय गतिमान है और किसी आलंबन का गुप्त निमंत्रण हमारे निराश , शक्तिहीन मन में एक नई ऊर्जा का संचार कर देता है और हम अपने जीवन की राह में आगे बढते चले जाते हैं ।	
(iii)	जिस प्रकार पतंग आसमान की ऊंचाइयों में उड़ती है और लगाता ऊपर उठती चली जाती है ठीक वैसे ही बालमन की असीम इच्छाएँ मानों हमेशा उन्मुक्त अवसर तलाशती हैं । पतंग के साथ-साथ उनकी भावनाएँ भी उड़ती हैं ।	
प्रश्न **11.**	काव्य खड आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए :-	**(2x2 =4)**
(i)	कविता के संदर्भ में 'बिना मुरझाए महकने के माने' का अर्थ है कविता कालजयी होती है । उसका प्रभाव कभी कम नहीं होता । वह सदा महकते फूल की तरह हमें आनंद प्रदान करती रहती है ।	
(ii)	यह कविता मानवीय करुणा तो प्रस्तुत करती ही है साथ ही इस कविता में उन लोगों की बनावटी करुणा का वर्णन भी मिलता है जो दुख दरिद्रता को बेचकर यश प्राप्त करना चाहते हैं। एक अपाहिज व्यक्ति के साथ झूठी सहानुभूति जताकर उसकी करुणा का सौदा करना चाहते हैं। एक अपाहिज की करुणा को पैसे के लिए टी.वी. पर दर्शाना वास्तव में क्रूरता की चरमसीमा है।	
(iii)	छोटे चौकोने खेत को कागज़ का पन्ना कहने में यह अर्थ निहित है कि कवि ने कवि कर्म को खेत में बीज रोपने की तरह माना है । कवि बताना चाहता है कि कविता रचना सरल कार्य नहीं है । जिस प्रकार खेत में बीज बोने से लेकर फ़सल काटने तक काफ़ी परिश्रम करना पड़ता है ठीक उसी	

	प्रकार कविता रचने के लिए अनेक प्रकार के सृजनात्मक कार्य करने पडते हैं ।	
प्रश्न 12.	गद्य खड आधारित निम्नलिखित प्रश्नो मे से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए :-	**(3x2 =6)**
(i)	इसमे उस पुरानी सामाजिक व्यवस्था का चित्रण किया गया है जिसमें पुरुषप्रधान समाज में नारी की आवाज को हमेशा से दबाया गया और उसे उसके अधिकारों से वंचित किया गया । आदि ...भक्तिन की पुत्री पर पंचायत का फैसला न्यायप्रद न होकर जबरन थोपा गया आदेश था ।	
(ii)	निश्चित ही 'काले मेघा पानी दे' सस्मरण मे लोक-प्रचलित विश्वास और विज्ञान के दवंद्व का सुंदर चित्रण है । एक तरफ लेखक है जो अनावृष्टि दूर करने के लिए गाँव के बच्चों की इंदर सेना दवारा द्वार-द्वार पानी माँगने को पानी की निर्मम बरबादी के रूप में देखता है वहीं जीजी द्वारा अपने तर्कों दवारा इस निर्मम बरबादी को तर्कसंगत ठहराया जाता है आदि	
(iii)	कला की प्रासंगिकता व्यवस्था की मुखापेक्षी नहीं है । उसका अपना स्वतंत्र मूल्य है जिसे कोई भी नहीं मिटा सकता । किसी कलाकार में निहित कला को परिस्थितियाँ कभी भी मिटा नहीं कर सकतीं । कलाकार अपनी कला के दम पर अपना मुकाम स्वयं बना ही लेते हैं वे व्यवस्था के मोहताज़ नहीं होते ।	
प्रश्न 13.	गद्य खड आधारित निम्नलिखित प्रश्नो मे से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए :-	**(2x2 =4)**
(i)	जाति प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण करती है जिससे मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बँधा रहना पड़ता है । और वह चाह कर भी अपनी कार्य-कुशलता के अनुरूप अपनी पसंद का कार्य करने की स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर पाता है ।जिससे न केवल बेरोजगारी को प्रोत्साहन मिलता है बल्कि गरीबी जैसी नई सामाजिक समस्या का सामना भी करनापड़ता है ।	
(ii)	भयकर गर्मी ,उमस,लू आदि के बीच सरस रहने वाले शिरीष को लेखक ने कालजयी अवधूत कहकर उसे एक निर्लिप्त संन्यासी के समान बताया है । वह हर स्थिति में	

	काल और समय को जीतकर अजेय बना रहता है और लहलहाता रहता है आदि	
(iii)	डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की कल्पना के आदर्श-समाज के मूल आधार हैं : स्वतंत्रता / समता / भ्रातृता । आदर्श समाज की परिकल्पना द्वारा डॉक्टर भीमराव आंबेडकर समाज में पुराने समय से चली आ रही कई व्यवस्थाओं में बदलाव के पक्षधर थे जिसे उन्होंने अपने आदर्श समाज के रूप में स्थापित करना चाहा ।	
प्रश्न 14.	पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग दो पर आधारित प्रश्न (शब्द सीमा 40 शब्द प्रत्येक)	02X 2= 04 अंक
(i) (ii) (iii)	सिल्वर वैडिंग पाठ में आये प्रसंगो से कोई भी दो प्रसंग | पाठ आधारित तथ्य दत्ता जी राव देसाई सरकार ने लेखक के पिता को ठीक से समझाया और लेखक की पढाई के लिए तैयार किया या छात्र अपनी भाषा में इसी तथ्य को या जैसे भी प्रस्तुत करे | सिन्धु घाटी सभ्यता में विशाल रचना कोई नहीं मिली है ,बड़े भवनों में भी कक्ष छोटे ही हैं | उपकरण तो मिले हैं लेकिन हथियार नहीं पाए गए | निर्माण शैली साधारण होने के बाद भी दिखावे से कोसों दूर थे। जो वस्तु जिस रूप में सुंदर लग सकती थी, उसका निर्माण उसी ढंग से किया गया था। इसीलिए सिंधु सभ्यता में भव्यता थी, आडंबर नहीं।	